"इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड रोबोटिक एंड इनोवेटिव सर्जरी" के
प्रथम अंक के विमोचन पर माननीय राज्यपाल का संबोधन

दिनांक 11 जून 2023, रविवार	**समय : 4:15 PM**	**स्थान : ताज विवांत, गुवाहाटी**

"एसोसिएशन ऑफ रोबोटिक एंड इनोवेटिव सर्जन्स" के अध्यक्ष एवं "इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड रोबोटिक एंड इनोवेटिव सर्जरी" के मुख्य संपादक प्रोफेसर (डॉ) सुभाष खन्ना जी,

एम्स के कार्यकारी निदेशक डॉ. अशोक पुराणिक जी,

IIT GUWAHATI के कार्यवाहक निदेशक प्रोफेसर पी. के. अय्यर जी,

जर्नल के उप-संपादक डॉ. राज पलानियपम जी,

विशिष्ट अतिथि गण,

हमारे चिकित्सक विशेषज्ञ गण,

शोधार्थी गण,

मीडिया के मेरे साथियों,

और उपस्थित देवियों और सज्जनों !

सर्वप्रथम आप सभी महानुभावों को मेरा सादर नमस्कार।

आज "एसोसिएशन ऑफ रोबोटिक एंड इनोवेटिव सर्जन्स" द्वारा प्रकाशित "इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड रोबोटिक एंड इनोवेटिव सर्जरी" के प्रथम अंक के विमोचन कार्यक्रम में शामिल होकर मुझे प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है। इस नेक कार्य के लिए मैं एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रोफेसर (डॉ.) सुभाष खन्ना और उनकी पूरी टीम को बधाई देता हूँ।

साइंस और टेक्नोलॉजी, विशेषकर हेल्थ-साइंस के क्षेत्र में "रिसर्च जर्नल" का क्या योगदान है - यह मुझसे ज्यादा आप लोग भलीभांति जानते हैं। वस्तुत: यह स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में नए आविष्कारों और नवाचारों को बढ़ावा देती है।

मुझे बताया गया है कि "एसोसिएशन ऑफ रोबोटिक्स एंड इनोवेटिव सर्जन्स" भारत का पहला रोबोटिक सर्जरी एसोसिएशन है और इस एसोसिएशन की स्थापना पिछले वर्ष ही हुई है।

मित्रों,

हम सभी देशवासियों के लिए यह गर्व का विषय है कि भारत ने अपने सराहनीय कार्य के लिए वैश्विक मान्यता प्राप्त करते हुए स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में खुद को अग्रणी के रूप में स्थापित किया है।

वैक्सीन उत्पादन और वैश्विक बाजार में हाल की उपलब्धियों से लेकर हमारी हेल्थकेयर टेक्नोलॉजी की विश्वव्यापी स्वीकार्यता तक, भारत अब एक प्रमुख हेल्थकेयर डेस्टिनेशन और हेल्थकेयर इनोवेशन का केंद्र बनता दिखाई दे रहा है।

इस प्रगति का श्रेय मैं भारत के उन चिकित्सकों और शोधकर्ताओं को देना चाहूँगा, जिन्होंने अपने अमूल्य योगदान से स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र को नई ऊंचाइयों तक पहुँचाने का काम किया है। मुझे भरोसा है कि हेल्थ सेक्टर में ऐसे काम के लिए निश्चय ही देश-विदेश से निवेश आएगा।

"इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड रोबोटिक एंड इनोवेटिव सर्जरी" के प्रकाशन हेतु डॉ. सुभाष खन्ना द्वारा उठाए गए कदम अत्यंत सराहनीय हैं। इस अवसर पर हमारे शोधकर्ताओं और चिकित्सकों से मेरा आग्रह है कि वे अपनी

चिकित्सा सेवा के साथ-साथ, राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय जर्नल में अपना अनुभव साझा करते रहें, इससे रिसर्च और इनोवेशन के नए-नए द्वार खुल सकते हैं।

मुझे हाल ही में एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. सुभाष खन्ना के साथ संवाद करने का अवसर मिला और हमारी बातचीत के दो पहलुओं ने मुझे काफी प्रभावित किया।

पहला, एसोसिएशन के नाम में "रोबोटिक्स और इनोवेटिव" शब्दों को सुनते ही मेरे मन में यह भाव जगा कि यह एसोसिएशन निश्चय ही भविष्यदर्शी है और यह नई सोच को जरूर बढ़ावा देगा। साथ ही यह वैचारिक दृष्टिकोण को भी परिभाषित करेगा।

दूसरा, भले ही एसोसिएशन अभी नया है, पर डॉ. सुभाष खन्ना के नेतृत्व में यह जल्द ही लम्बी छलांग लगाएगा और जर्नल को भी अंतर्राष्ट्रीय मान्यता मिलेगी।

बंधुओं,

मैं जब सोचता हूँ तो मुझे खुशी होती है कि टेक्नोलॉजी ने किस प्रकार से हमारे देश में स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच के अंतर को पाट रही है। घनी आबादी वाले शहरी क्षेत्रों में ही हमारी विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच है और यह ऐसी सुविधाओं को हमारे देश के कोने-कोने तक पहुंचने के लिए सशक्त करेगा। हालाँकि, हमें यह याद रखना चाहिए कि हमारी अंतिम जीत सभी के लिए समान स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त करने में निहित है।

इसके लिए सरकारी और गैर सरकारी सभी संस्थाओं को एक साथ आगे बढ़ने की आवश्यकता है। हम साझा दृष्टिकोण और उभरती तकनीकी के

एकीकरण के माध्यम से ही अपने लक्ष्य को पूरा कर सकते हैं। वास्तव में, मैं रोबोटिक सर्जरी के फायदों से बेहद प्रभावित हूं और यह खुशी की बात है कि यह संस्था गुवाहाटी में स्थापित हुई है।

मैं इस मौके पर एसोसिएशन के उन सातों संस्थापक सदस्यों को भी बधाई देता हूँ, जिन्होंने नवीन दृष्टिकोण को अपनाते हुए असाधारण कार्य को संभव बनाया है। रोबोटिक और इनोवेटिव सर्जरी पर यह पहली जर्नल है और इसे मैं एसोसिएशन की एक बड़ी उपलब्धि मानता हूँ। यह उपलब्धि इस एसोसिएशन के सभी सदस्यों के सामूहिक योगदान और विश्व भर के सर्जनों के समर्थन से ही प्राप्त हुई है। यह एक अंतर्राष्ट्रीय प्रयास है।

सभी के सहयोग और समर्थन से यह जर्नल आगे भी फलती-फूलती रहे और आने वाले दिनों में यह एक विश्वस्तरीय प्रकाशन बने - यही मेरी कामना है।

देवियों और सज्जनों,

हम सभी यह जानते हैं कि वैक्सीन के संदर्भ में भारत ने पूरे विश्व के लिए एक मार्गदर्शक की भूमिका निभाया है। हमारे यशस्वी प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में कोविड के समय देश ने अभूतपूर्व काम किया। रणनीतिक योजना और प्रभावी कार्यान्वयन के माध्यम से भारत वैक्सीन उत्पादन में एक विशिष्ट मुकाम हासिल किया है।

भारत ने न केवल अपने स्वयं के वैक्सीनेशन की जरूरतों को सफलतापूर्वक पूरा किया, बल्कि इसने कई देशों की मदद के लिए हाथ भी

बढ़ाया, उन्हें वैक्सीन उपलब्ध कराएं। यह वैश्विक स्वास्थ्य के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है और बड़े पैमाने पर चुनौतियों से निपटने की क्षमता को प्रदर्शित करता है।

बंधु गण,

हम जानते हैं कि भारत ज्ञान एवं ऐश्वर्य की धरती है। भारत में मेडिकल सहित अनेक क्षेत्रों में शोधकार्य की असीम संभावनाएं हैं। इसके लिए जर्नल बहुत सहायक होती है। आज की दुनिया में मेडिकल जर्नल की आवश्यकता को कम करके नहीं आंका जा सकता है।

दरअसल, इस प्रकार की जर्नल - ज्ञान के भंडार के रूप में काम करती हैं। ये शोधकर्ताओं और चिकित्सकों को उनके निष्कर्षों, प्रगति और सफलताओं को साझा करने के लिए एक बड़ा मंच प्रदान करती हैं।

जर्नल के माध्यम से भारतीय शोधकर्ता और चिकित्सक ज्ञान के वैश्विक निकाय में योगदान कर सकते हैं, सहयोग को बढ़ावा दे सकते हैं और विचारों के आदान-प्रदान को सुविधाजनक बना सकते हैं। यह न केवल भारतीय स्वास्थ्य कर्मियों की स्थिति को बढ़ाता है, बल्कि नवाचार को भी बढ़ावा देता है और इस क्षेत्र में प्रगति करता है, अंतत: विश्वभर के रोगियों को लाभान्वित करता है।

स्वास्थ्य सेवा में भारत की प्रगति और सभी के लिए स्वास्थ्य प्राप्त करने की इसकी प्रतिबद्धता के साथ, मेडिकल जर्नलों की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है।

भारत के पास दुनिया की किसी भी समस्या का समाधान ढूँढने की क्षमता है। हालांकि यह भी सच है कि हम बहुत लंबे समय से दूसरे देशों पर

निर्भर हैं, लेकिन अब समय बदल रहा है। अब हमें हेल्थकेयर सेक्टर में भी आत्मनिर्भर बनने की जरूरत है।

इस दिशा में सरकार के मूलमंत्र "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास" की भावना के साथ काम करना होगा।

अंत में, मैं आप सभी को पुन: बधाई देते हुए अपनी वाणी को यही विराम देता हूँ।

धन्यवाद।

जय हिन्द !